

06/06/2013

पडावली राष्ट्र लोक अदालत केंद्र
के आधी पा. पुस्तक दुई कमीशनर
सदस्यीतदी भदोसर द्वारा विभाजन
प्रस्ताव 'तथाकार' प्रकृ विपणन-उपा
विभाजन आवेदनोभा विपणन उपाजो
आधिक आदेश द्येणु इस्ती अनुसार
कार्रण दिष्ट विपणन जात मे कातद
आपनि तबी द्ये वकील वात्री उपस्थित

→
d/





जतः एतन् पत्रे बहवः शब्दः वाची किता प्रकृतम्
 पादगत द्वितीया किता जातः किं गीजा सोनियाना
 की वाच यमित अनुपीयत का पकाकाता को
 मद्य निरुत प्रकृत कितागत किता जातः ही
 तथा अल्पा अल्पा श्लोकाः म प्रकृत किता
 जाते का आदेश दिया जात है

(1) श्री गोपाललाल पिता शेकर जात नि 0
 सोनरदा के हिस्से में रहेगी

काच नं०	शकष	लजात
<u>537/1</u>	<u>0.73</u>	<u>10.22</u>


(2) श्री बीरा $\frac{27}{37}$ तुलसी $\frac{10}{37}$ पिता जीवू लुहार
 के हिस्से में रहेगी

काच नं०	शकष	लजात
<u>537 बी.</u>	<u>0.37</u>	<u>5.18</u>

(3) श्री गोपाललाल पिता शेकर $\frac{2}{3}$ बीरा $\frac{1}{4}$
 तुलसी $\frac{1}{12}$ लुहार के हिस्से में रहेगी

काच नं०	शकष	लजात
<u>538</u>	<u>0.01</u>	<u>-</u>

शेकर वरु लुहा कापत $\frac{1}{6}$ हिस्सा वाची
 गोपाललाल को शिका विद्युत का पैदा जाते है
 उक्तानुसार विभाजन किता जात। इसी अनुसार
 शकष रेकार्ड में अक्ल का मर किता जावे।
 इसी आशय का पत्र द्वितीया अलग से मुद्रित
 हो निर्दिष्ट तुलसी गोपाललाल लिखा जावे।
 तुलसा जात। पत्र की फाँटल मुद्रित दिक्कत नम्बर
 में काम है


 01/01/17